Unemployed persons in Gujarat

6817. SHRI ANANTRAY DEV-SHANKER DAVE:

SHRI CHIMANBHAI HARI-BHAI SHUKLA:

Will the Minister of LABOUR be pleased to refer to the answer to Unstarred Question No. 925 given in the Rajya Sabha on the 20th March, 1995 and state:

(a) what is the actual number of jobs created and the target fixed in Eighth Plan in Government P.S.Us and private sector in the State of Gujarat;

(b) what is the average rate of growth of employment during the above period; and

(c) what will be the backlog of unemploment in the State as on March 1995?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) As per the estimate of Government of Gujarat, the employment generation in the Eighth Five Year Plan will be 47.83 lakhs standard person year in public, private, and public sector undertaking. Out of this 33.60 lakhs jobs were created (estimated 70 percent) during 1992-93, 1993-94 and 1994-95

(b) Emploment generation growth from 1992 to 1995 was 8.5 percent.

(c) Upto December 1994 the back-log of unemployment is about 14 lakhs (estimated).

उद्योगों का बन्द होना

6818. **श्री ईश दत्त यादव :**
श्री आस मोहम्मद :

क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नई औद्योगिक नीति अपनाने के बाद कितने उद्योग बन्द हुए हैं ;

(ख) इस अवधि के दौरान बड़े औद्योगिक घरानों द्वारा अधिगृहित उद्योगों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) ऐसे मामलो में प्रभावित श्रमिकों के हितों की रक्षा किस प्रकार की गई है ?

श्रम मंत्री (श्री पी० ए० संगमा): (क) उद्योगों के बंदों संबंधी उपबंध औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 में समाविष्ट हैं। श्रम ब्यूरो से उपलब्ध सूचना के अनुसार 1991, 1992, 1993 और 1994 (जन० से नव०) के दौरान बंद हुए एक्कों की संख्या क्रमशः 238, 187, 493 और 198 है। तथापि, इन बंदियों का कारण नई औद्योगिक नीति को नहीं ठहराया जा सकता है।

(ख) श्रम मंत्रालय द्वारा ऐसी कोई सूचना नहीं रखी जाती है।

(ग) औद्योगिक विवाद अधिनियम में छटनी/बंदी की हालत में कर्मकारों के लिए मुआवजे के भुगतान करने का प्रावधान है। एक्कों/कम्पनियों के विलयन के लिए जब भी प्रस्ताव प्राप्त होते हैं तो श्रम मंत्रालय इस बात पर जोर देता है कि कर्मकारों के नियोजन की दशाओं पर ऐसे विलयन/समामेलन की हालत में विपरीत प्रभाव न पड़े।

Cases pending before Labours Courts

6819. DR RANBIR SINGH:

SHRI RAM NATH KOVIND:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of cases are pending before the various labour courts of the country as on date; and

(b) if so, what is the number of cases pending before the Labour court of Delhi as on date?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) Yes, Sir.